शोध मंथन Vol. XVI No.4 Oct.- Dec. 2025 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *https://anubooks.com/journal-volume/shodhmanthan-vol-xvi-dec-2025-no4*

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और युवा सोचः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

प्राप्तिः 30.11.25
स्वीकृतः 15.12.25

98

साक्षी वर्मा
शोधार्थी (समाजशास्त्र विभाग)
एम. जे. पी. रूहेलखंड, बरेली (उ0प्र0)
ईमेलः sakshi.verma1691@gmail.com

सारांश

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर संस्कृति का उदय एक प्रमुख आधुनिक घटना है जिसने हमारे समाज पर व्यापक प्रभाव डाला है आधुनिक तकनीकी युग में सोशल मीडिया ने केवल संचार के स्वरूप को ही नहीं बदला है बल्कि समाज की सोच, जीवन शैली और व्यवहार को भी प्रभावित किया है। डिजिटल इन्फ्लूएंसर संस्कृति ने युवाओं के जीवन को एक नई दिशा प्रदान की है, जहाँ फॉलोवर्स, लाइक्स ओर व्यूज ही सामाजिक पहचान के प्रतीक बन गए है युवाओं के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं, लेकिन जो इन्फ्लूएन्सर्स को अपना आदर्श मानने का प्रयास करते हैं इस प्रकार इन्फ्लूएंसर संस्कृति का उत्थान न केवल एक डिजिटल ट्रेंड है बल्कि एक समाज में होने वाला तीव्र परिवर्तन का प्रतीक है इनफ्लुएंसर्स की विश्वसनीयता, विशेषज्ञता और प्रस्तुत सामग्री की मौलिकता युवाओं को बहुत अधिक प्रभावित करती है इसके साथ ही सोशल मीडिया के कारण युवा वर्ग में आत्म सम्मान मनोवैज्ञानिक व्यवहार, और सामाजिक दृष्टिकोणों में परिवर्तन आता है अत्यधिक सोशल मीडिया के उपयोग से मानसिक स्वास्थ्य पर चिंता अवसाद और पहचान भ्रम आदि समस्याओं को भी देखा जा सकता है। युवा वर्ग में सोशल मीडिया के प्रभाव को समझने के लिए एक संरचनात्मक और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण वो अपनाया जा सकता है जो की इन्फ्लूएन्सर्स के विशेष पक्षों से युवाओं के व्यवहारों और संबंध को जोड़कर प्रस्तुत करता है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स युवाओं के जीवन और व्यावहारिकसंबंधों को अत्यधिक प्रभावित करते है। इनफ्लुएंसर्स द्वारा प्रस्तुत सामग्री युवाओं के लिए प्रेरणा और पहचान का स्रोत बनती है। युवा वर्ग में होने वाले सामाजिक, आर्थिक, और मनोवैज्ञानिक रूप सेपरिवर्तनों का आधार सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स है। प्रस्तुत शोध पत्र डिजिटल इनफ्लुएंसर्स संस्कृति के प्रभाव को उसकी सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों पर विचार करते हुए तथा युवा पीढ़ी ये सोच उनके व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक दृष्टिकोण में दिन प्रतिदिन आने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं।

मुख्य शब्द

सोशल मीडिया, इन्फ्लूएंसर, युवा, व्यवहार, जीवन शैली

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2025.v16i04.98

प्रस्तावना

सोशल मीडिया युवाओं की ज़िंदगी का एक महत्वपूर्ण भाग है, इसी कारण, भिन्न भिन्न प्रकार के सेलिब्रिटी यानी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर का उदय हुआ है सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर वह व्यक्ति होता है जिसकी व्यक्तित्व, प्रतिभा या रूचियों के आधार पर ऑनलाइन फॉलोवर्स होते हैं। इसके अतिरिक्त इन्फ्लूएंसर प्रायः अपनी दिन प्रतिदिन की गतिविधियों को और जीवन के भिन्न भिन्न अनुभवों को साझा करते हैं। इन्फ्लूएन्सर्स को सोशल मीडिया पर एक बड़ी संख्या में दर्शक अनुसरण करते हैं और इसी के साथ साथ इन्क्लूजन सर उत्पादों का प्रचार कर ब्राण्ड की बिक्री बढ़ाने और पैसा कमाने के लिए प्रयोजित सामग्री भी बनाते हैं उन्हें इसके लिए पहले से भुगतान किया जाता है इंस्टाग्राम यूट्यूब, स्नैपचैट और फेसबुकऐसे फेमस प्लेटफॉर्म है जिन्हें सभी युवा प्रयोग करते हैं। कुछ प्रभावशाली युवा अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग समाज में बहुत सारी जानकारियां प्रदान करने लोगों को जागरूकबनाने के लिए करते हैं। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स में संगीत, फैशन, सौंदर्य, हास्य, मीम्स, सेलिब्रिटी, और गेमिंग तथा ब्लॉग बनाने वाले इन्फ्लूएंसर अधिक लोकप्रियता प्राप्त करते हैं ये युवाओं के जीवन को बहुत प्रभावित करते हैं। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स युवाओं के जीवन में मनोरंजन प्रदान करने का एक माध्यम बन गए हैं इन्हें वे बहुत पसंद करते हैं। युवाओं के लिए सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर का जीवन सपने देखने के समान है दिन प्रति दिन के गतिविधियों में उत्पादों और सेवाओं को शामिल करने के लिए भुगतान पाकर कॉमर्स सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स शानदार कमाई और उच्च स्तर की प्रसिद्धि का आनंद लें सकते हैं और साथ ही एक सुचारू जीवन भी जी सकते हैं।

इन्फ्लुएंसर संस्कृति की भूमिका

युवा पीढ़ी में इन्फ्लुएंसर संस्कृति बहुत प्रचलित है उनके सामाजिक जीवन में जीवन शैली से लेकर फैशन, फिटनेस पर इस संस्कृति का सीधा प्रभाव पड़ता है, युवाओं में नए नए ट्रेंड्स को फॉलो करने की प्रवृत्ति बढ़ती है और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने और जागरूकता फैलाने में सहायता मिलती है। राजनीतिक क्षेत्र में चुनावों में सोशल मीडिया अभियान चलाना, राजनीतिक नैरेटिव को तय करने में इन्फ्लुएंसर की भूमिका काफी निर्णायक रहती है किंतु कभी कभी भ्रामक जानकारी का भी बहुत तेजी से प्रसार होता है, इसके अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी इन्फ्लूएन्सर्स अपनी जगह बनाए हुए है डिजिटल मार्केटिंग उद्योग में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है क्योंकि इंफ्लुएंसर्स के माध्यम से नए नए ब्राण्ड को प्रमोशन मिलता है जिससे छोटे बड़े दोनों प्रकार के व्यापारियों को सोशल मीडिया के माध्यम से मार्केटिंग का एक नया मंच मिल जाता है और उन्हें काफी लाभ पहुँचता है।

युवाओं में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के प्रति आकर्षण

युवाओं में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के प्रति बढ़ते आकर्षण का महत्वपूर्ण कारण यह है कि अधिकतर इंफ्लुएंसर्स युवा वर्ग से ही आते हैं जिससे आयु और सोच का मेल होता है और इन्फ्लूएन्सर्स सदैव युवाओं की तरह ही बात करते हैं, इन्फ्लूएन्सर्स दैनिक और वास्तविक सामग्री जैसे ब्लॉग्स, रील्स और युवाओं के जीवन से मिलते जुलते सामग्री बनाते हैं और इससे भी अधिक युवा पीढ़ी इन्फ्लूएन्सर्स ओके समूह का एक भाग बनने के लिए सदैव इच्छुक रहते है इनफ्लुएंसर्स हमेशा एक आकर्षक,व्यवस्थित और रोमांचक

जीवन शैली का प्रदर्शन करते हैं वो फैशन, यात्रा और फिटनेस सेलिब्रिटी जैसा जीवन दिखाते हैं जिससे युवा इस जीवन शैली को अनुसरण करनेका प्रयास करते हैं जिससे उनका आकर्षण बढ़ जाता है। इनफ्लुएंसर्स कैरियर, फिटनेस, पढ़ाई और व्यवसाय मैं सफलता की कहानियों को भी साझा करते हैं जिससे युवा उन्हें अपना पथ प्रदर्शक मानने लगते हैं और उनके द्वारा बताई गई सभी बातों का अनुसरण करने लगते हैं। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स युवाओं में सदैव अपडेटेड रहने को जरूरी मानते हैं और इन्फ्लूएन्सर्स जो होते है वो ट्रेंड्स की दिशा को तय करते हैं इसलिए सभी युवा उनका अनुसरण करके फैशन, ब्लॉग्स,रील्स, मीम्स, गैजेट्, कपड़े ऑफिस स्टाइल अपनाने जैसे ट्रेंड्स में पीछे नहीं रहना चाहते। युवा सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को प्रतिदिन देखते और सुनते हैं जिससे उनके प्रति इकतरफा और भावनात्मक संबंध प्रगाढ़ हो जाता है और युवाओं को ऐसा लगता है कि वे इन इनफ्लुएंसर्स के बहुत नजदीक है और जबकि वास्तविकता में ये केवल एक स्क्रीन का संबंध मात्र होता है।

मोटिवेशनल इनफ्लुएंसर्स और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य

वर्तमान समय में कई मोटिवेशनल इनफ्लुएंसर्स युवाओं को जीवन की कठिन परिस्थितियों और संघर्षों से लड़ने ही प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करते हैं जिससे युवा आत्मविश्वास ही बनते हैं, और स्वयं पर संदेह नहीं करते लक्ष्य क्यों निरंतर काम करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। कई इनफ्लुएंसर्स मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि करते हैं युवाओं में डिप्रेशन, चिंता, तनाव ओर आत्म अस्वीकृति जैसे मुद्दों पर खुलकर बात करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं उनका मोटिवेशन युवाओं को समस्याओं से विचलित होने की अपेक्षा उनके समाधान को ढूंढने में हार की जगह प्रयास को चुनने में और नकारात्मक भावनाओं से बाहर निकलने में सहायता करता है। मोटिवेशनल इन्फ्लूएन्सर्स का कंटेंट युवाओं को समय प्रबंधन, लक्ष्य के निर्धारण, संचार कौशल और तनाव प्रबंधन में मदद करता है जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स का युवाओं पर सकारात्मक प्रभाव

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स युवाओं को तरह तरह की व्यावहारिक कौशल दिखा रहे हैं जैसे फोटोग्राफी, कॉन्टेंट राइटिंग, कॉपीराइटिंग, डिजिटल मार्केटिंग,और नौकरी और बाजार संबंधी अन्य प्रतिभाएँ जिनका लाभ उठाकर युवा अपने जीवन में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करते है युवा कैसे किसी कौशल को सीख सकते हैं किसी व्यवसाय को प्रारंभ कर सकते हैं और वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो सकते हैं सुरक्षित भविष्य और वित्तीय प्रबंधन के बारे में भी जानकारी प्राप्त करते हैं इन्फ्लूएन्सर्स समाज में व्याप्त लैंगिक पूर्वाग्रह, क्षेत्रवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिकता आदि मुद्दों पर भी चर्चा करते हैं और युवाओं को एक मंच प्रदान करते हैं जो अपनी बातों को कह सकें और इन मुद्दों पर अपने विचार रखकर समाज में जागरूकता बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त इनफ्लुएंसर्स अपने दर्शकों तक विभिन्न उत्पादों के ब्रॉड का प्रमोशन भी करते हैं जिससे छोटे व्यापारियों और व्यवसाय करने वालों को लाभ मिलता है और वो भी विकास की ओर अग्रसर होते हैं।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स का युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स का एक नकारात्मक पक्ष भी सामने आता है ये इन्फ्लूएन्सर्स हाइपर रियलिटी को प्रोत्साहित करते हैंइंस्टाग्राम पर संपादित की गई तस्वीरें फ़िल्टर की गई होती

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2025.v16i04.98

है जिससे एक छद्म वास्तविकता ओर झूठे सौंदर्य मानक स्थापित होते हैं जिसने युवा पीढ़ी झूठे आकर्षण को ही सच मानने लगती है और इस नकली आकर्षण के पीछे भागने लगती है भोज्य पदार्थों संबंधी भिन्न भिन्न प्रकार के भ्रामक प्रचार करने वाले इन्फ्लूएन्सर्स सोशल मीडिया पर भरे पड़े हैं जो बिना किसी प्रमाण के कोई भी सामग्री दिखाते हैं ओर युवा आंख बंद करके उस पर विश्वास कर लेता है और उसी का अनुसरण करने लगता है ये सोचे बिना कि यह जानकारी उनके शारीरिक प्रक्रिया को लाभ पहुंचा रही है या हानि। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के इन्फ्लूएन्सर्स को पूजनीय मानते हैं और उन्हें बहुत बड़ा सेलिब्रिटी समझने लगते हैं और उनके फैन पेज बनाते हैं और उन्हें अमूल्य उपहार भी भेंट करते हैं कुछ इनफ्लुएंसर्स प्रायः अधिक ब्रैंड डील और कमाई बढ़ाने के लिए उत्पादों की अनावश्यक और झूठी प्रशंसा करते हैं जिससे समाज में गलत सूचनाएं पहुंचती है।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स ने युवाओं के जीवन पर एक गहरा प्रभाव डाला है ये ज्ञान, रचनात्मकता और जीवन में नए नए अवसर के बारे में अवगत कराते हैं। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स वर्तमान समय में डिजिटल युग में युवाओं की सोच, रुचि और जीवनशैली को गहन रूप से प्रभावित कर रहे हैं। एक तरफ वे प्रेरणा, ज्ञान ओर करियर में नए नए अवसर प्रदान करते हैं वही एक अवास्तविक तुलना, उपभोक्तावाद और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियां भी उत्पन्न कर रहे है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर युवाओं के बीच हमेशा ही रहते है जिससे वे युवाओं की सोच और जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव डालते हैं इनफ्लुएंसर्स की पहचान आवश्यक है युवाओं को ये समझना होगा कि कौन सी इन्फ्लूएंसर उनके लिए सकारात्मक भूमिका निभाते हैं और कौन से इन्फ्लूएंसर नकारात्मक भूमिका निभाते हैं ये अति आवश्यक है कि युवा पीढ़ी इन भूमिका ओं को समझकर एक संतुलित, सम आलोचनात्मक और उपयोगी तरीके से सोशल मीडिया इस का उपयोग करें जिसने उन्हें अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और उनका जीवन सुचारू रूप से चल सके।

संदर्भ

1. खंतवाल, नेहा (2024),सोशल मीडिया विकास या विनाशः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट वॉल्यूम 8, ISSN no- 2456-4184
2. बघेल डॉक्टर संजय सिंह, सिंह डॉक्टर उमा (2015) सोशल मीडिया और भारतीय युवा, एप्पल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर
3. कुशवाहा राहुल (2018),सामाजिक विकास में सोशल मीडिया की भूमिकाः एक अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय जनरल हिंदी शोध पत्रिका, ISSN no - 2455-2232
4. यादव, स. (2021), सोशल मीडिया पर युवा का प्रभावःएक अध्ययन। समाजशास्त्र अनुसंधान पत्र, 18(3), 112—125
5. Shrivastava K. M. (2013) Social Media in Business and Governance, Sterling publishers Private Limited.

6. Shekhawat shelly, Bhatt Bindu (2021), Analysing Imapact of Social Media on Women :A Study in Vadodara City, International Journal of Interdisciplnary Research and Innovations, volume 9 ISSN no 2348-1226
7. https://digit-research.org
8. https://www.academia.edu
9. https://ijrrssonline.in
10. https://ijcrt.org